शहर के शताब्दी वर्ष एवं ब्रह्माकुमारी संस्थान् के दो दशक

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. दीपक, ब्र.कु. गंगाधर, विधायक उल्लास पाटिल, सांसद संभाजी राजे, नगराध्यक्षा नीता माने तथा अन्य गणमान्य अतिथिगण।

जयसिंगपुर-महा.। ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा जयसिंगपुर शहर के शताब्दी वर्ष तथा सेवाकेन्द्र के दो दशक पूरे करने के अवसर पर छत्रपति शाहू महाराज **के द्वारा स्थापित इस शहर के ऐतिहासिक कार्यों व ब्रह्माकुमारीज़ के द्वारा मानवता के उत्थान के दिव्य कार्यों का वर्णन करने वाली 20 फुट ऊँची तथा 30 फुट चौड़ी विशाल किताब** का प्रकाशन किया गया। किताब द्वारा वर्ल्ड रेकॉर्ड बनाने पर 'वंडर बुक ऑफ रेकॉर्ड्स इंटरनेशनल लंदन' की भारत प्रतिनिधि डॉ.स्वर्णश्री गुर्रम ने सभी मेहमानों की उपस्थिति में ब्र.कु.रानी एवं ब्र.कु.सुनीता को प्रमाणपत्र, मोमेन्टो एवं बैज प्रदान किया।

इस अवसर पर सांसद संभाजी राजे ने शहर का नाम विश्व में प्रसिद्ध करने के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान समय की अराजकता के वातावरण में ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा आध्यात्मिकता से समाज में श्रेष्ठ मूल्यों का प्रसार करने का यह भागीरथ प्रयास बहुत ही सामयिक है। उन्होंने इस ईश्वरीय कार्य के द्वारा हो रहे मानव के दैवीकरण के कार्य को सराहा और उसे

संयुक्त रूप से कार्यक्रम का भव्य आयोजन

व्यापक रूप से बढ़ते जाने की शुभकामनाएँ की।

विधायक उल्लास पाटिल ने ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा दिये जा रहे ज्ञान और योग की शिक्षा के माध्यम से शांति के प्रयास को सराहनीय बताया। उन्होंने ना सिर्फ शांति, बल्कि इसे व्यावहारिकता में आपसी समरसता की ओर महत्वपूर्ण कदम बताया।

माउण्ट आबू से आये ओमशान्ति मीडिया के संपादक ब्र.कु.गंगाधर ने कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान ऐसी अमूल्य निधि है जिससे जीवन सुख, शांति व श्रेष्ठ मूल्यों से सम्पन्न बन जाता है। उन्होंने कहा कि इतिहास के विभिन्न महा पुरुषों के किये कर्त्तव्य आज भी हमारे लिए आदर्श व अनुकरणीय हैं। परमात्मा के द्वारा समस्त संसार में शांति स्थापना का कार्य चल रहा है, और निकट भविष्य में भारत पुन: सिरमोर बनेगा।

नगर निगम की अध्यक्षा बहन नीता माने ने कहा कि आज शरीर से ज़्यादा मन की बीमारी दूर करने की आवश्यकता है और यह कार्य ब्रह्माकुमारी संस्था बहुत अच्छी रीति से कर रही है। क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. सुनीता ने अपने शुभ आशीर्वचन देते हुए कहा कि विश्व परिवर्तन का कार्य परमात्मा द्वारा किया जा रहा है, यह संदेश जन-जन तक पहुँचाकर मनुष्य मात्र में शांति सुख और समृद्धि को स्थापित करना है। कार्यक्रम में माननीय मेहमानों का स्वागत स्थानीय सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. रानी ने किया।

विश्व की सबसे बड़ी किताब का विमोचन करने के पश्चात् संभाजी राजे के साथ सम्माननीय अतिथिगण।

'शिव अवतरण' का संदेश सात करोड़ लोगों को पहुँचाने योजना का शुभारंभ

संभाजी राजे मोबाइल द्वारा 'शिव अवतरण' संदेश योजना का शुभारंभ करते हुए।

शिवरात्रि उत्सव के मौके पर जन-जन को 'शिव अवतरण' का संदेश सात करोड़ लोगों को पहुँचाने की योजना का शुभारंभ माननीय सांसद संभाजी राजे ने किया। ये जानकारी ब्र.कु. डॉ. दीपक ने दी।

सकारात्मक बनाएँ अपनी सोच

अयोध्या। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की शाखा 'गीता पाठशाला' साई का पुरवा दर्शन नगर में 'मिलन समारोह एवं समय की पुकार, सकारात्मक जीवन शैली विषयक सेमिनार' का आयोजन किया गया। सेमिनार को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की मुख्य शाखा माउंट आबू से आई वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. उषा ने कहा कि मनुष्य की सोच सकारात्मक होनी चाहिए, सोच बदलने से हर स्तर पर सुधार आता है। नकारात्मकता लंबे समय तक काम नहीं कर सकती।

कार्यक्रम के दौरान संतगणों के साथ ब्र.कु. भाई बहनें ब्र.कु. उषा की भव्य ताजपोशी करते हुए।

उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति दिवंगत डॉ. अब्दुल कलाम आज अमर हैं तो अपने मूल्यों के बल पर। उन्होंने कहा कि जो समाज को देता है वह आदर्श बनता है, प्रेरणास्रोत बनता है, अमर हो जाता है। इसलिए देना सीखना चाहिए। जीवन में खुशियां बांटोगे तो खुशियां मिलेंगी। उन्होंने बताया कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के अन्य कई प्रकल्प भी संचलित हैं। लगभग 20 प्रकल्पों में एक प्रभाग राजनीति का भी है। जिसका उद्देश्य राजनीतिज्ञों को राजनीति की सही परिभाषा बताना है।

इस प्रभग से विभिन्न प्रदेशों से बड़ी संख्या में राजनीतिज्ञ जुड़े हैं लेकिन उत्तर प्रदेश अछूता है। ब्र.कु. उषा ने बताया कि सेमिनार आयोजित कर राजनीतिज्ञों को मूल्यों के आधार पर राजनीति करने की प्रेरणा दी जाती है, फिर भी इसमें इस प्रभाग को अपेक्षित सफलता नहीं मिल पा रही है। इसका कारण है राजनीतिज्ञों की इस प्रभाग से दूरी। बावजूद इसके आंध्रप्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू सरीखे नेता इस प्रभाग से जुड़े हैं। जबकि गुजरात व छत्तीसगढ़ से भी इस प्रभाग के राजनीतिज्ञों का सेमिनार आयोजित किया है। इससे पूर्व मुख्य शाखा की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका का 'गीता पाठशाला' पहुँचने पर पुष्पवर्षा कर एवं विश्व विद्यालय के रीति रिवाजों के अनुसार भव्य स्वागत सत्कार किया गया। कार्यक्रम में पहुँचे संतों, रसिक पीठाधीश्वर महंत जन्मेजय शरण, नागा रामलखन दास, मंहत गिरीशपति त्रिपाठी व सुदर्शन महाराज समेत अन्य वैदिक पंडितों की ओर से किये गये मंत्रोच्चार के मध्य ब्र.कु. उषा की भव्य ताजपोशी भी की गई।

ब्रह्माकुमार मुकेश की ओर से समागत संतों एवं अतिथियों का स्वागत सत्कार किया गया। कार्यक्रम में कानपुर से ब्र.कु. अर्चना, राजस्थान से ब्र.कु. रचना, ब्र.कु. ज्योति, ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. चंद्रेश, ब्र.कु. दिलीप, ब्र.कु. विनोद व ब्र.कु. आनंद सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जो देते वही आता लौटकर

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। सेल्स एवं मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए 'बिज़ी टू ईज़ी' विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कम्पनीज़ एवं मार्केटिंग क्षेत्र के एक्ज़ीक्युटिव एवं विशेषज्ञ काफी संख्या में मौजूद रहे।

कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ की मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि कॉम्पिटीशन के इस दौर में व्यापार में बहुत सी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिस कारण मानसिक तनाव होना स्वाभाविक है।

उन्होंने कहा कि अगर हम अपनी जीवनशैली में एक सकारात्मक परिवर्तन कर दें, तो चुनौतियों का सामना करना आसान हो जाता है। वर्तमान समय हमारे ऊपर दूसरों के नकारात्मक विचारों का बहुत जल्दी प्रभाव पड़ता है। हमें स्वयं को सकारात्मक ऊर्जा से भरना होगा। जीवन में परिस्थितियाँ तो आती ही रहेंगी, लेकिन अगर हमारी आंतरिक स्थिति मज़बूत है, तो हम उसका सामना कर सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए सदा दूसरों का सहयोग करना ज़रूरी है। केवल अपने को देखें, दूसरों की बुराइयों का वर्णन न करें। याद रखें, जो भी हम दूसरों को देते हैं वही हमारे पास लौटकर आता है। उन्होंने कहा कि स्वयं के लिए वक्त निकालें। एकान्त में बैठकर स्वयं को जानने की कोशिश करें। इससे हमारी क्षमताओं का विकास होता है।

इस अवसर पर विशेष रूप से ओ.आर.सी. की निदेशिका ब्र.कु. आशा ने अपने आशीर्वचन में कहा कि आज जब भी परमात्मा की बात आती है, तो हरेक के मन में अलग-अलग धारणाएँ उत्पन्न होने लगती हैं।

कार्यक्रम में व्यवसाय सम्बन्धित लोगों को सम्बोधित करते हुए जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ ब्र.कु. शिवानी।

उन्होंने कहा कि वास्तव में परमात्मा ऊर्जा का एक असीमित भण्डार है, जिसमें सर्वगुण एवं सर्व शक्तियाँ निहित हैं। अगर हम अपने जीवन में श्रेष्ठ गुणों एवं शक्तियों को विकसित कर लें तो समझो कि हम सदैव परमात्मा के समीप हैं। उन्होंने कहा कि आज के भौतिक जगत में लोग हर चीज़ को बाहरी स्वरूप में ही देखना चाहते हैं, लेकिन आध्यात्मिक शक्ति के अनुभव के लिए हमें स्वयं के अंदर जाना होगा। हमें स्वयं के वास्तविक स्वरूप को पहचानना होगा।

भिवाड़ी मेडीसिटी सेंटर के अध्यक्ष डॉ. रूप सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि वास्तव में खुशी ही जीवन की सबसे बड़ी खुराक है। लेकिन खुश रहने के लिए मन में विचारों की शुद्धता बहुत ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि जितना हमारे मन में सबके प्रति स्नेह एवं पवित्र भाव होगा, सहज ही जीवन में खुशियों का संचार होगा।

कार्यक्रम में पैनल डिस्कसन के द्वारा भी वक्ताओं ने अपने अनुभवों को सबके साथ साझा किया। जिसमें मुख्य रूप से पूर्व मेजर जनरल एम.पी. सिंह, डेल टेक्नोलॉजी के वित्तीय प्रबंधक गौतम शर्मा एवं फिलिप्स कम्पनी की मैनेजर कोऑर्डिनेटर मीना कोहली शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. हुसैन बहन ने किया।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088,
Email- omshantimedia@bkivv.org, mediabkm@gmail.com, Website- www.omshantimedia.info
सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 13th Mar 2017
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।